

असाधारग **EXTRAORDINARY**

भाग II —खण्ड 3 — उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार संप्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 313] नई विल्लो, बुधवार, ग्रास्त 1, 1979/श्रावण 10, 1901 No. 313) NEW DELIII, WEDNESDAY, AUGUST 1, 1979/SRAVANA 10, 1901

इस भाग मी भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के ऋप मी रखा आ सर्वे

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गष्ठ सन्धालय

अधिसञ्चना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1979

का.आ. 444(अ). —केन्द्रीय सरकार, विधि विष्टुध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967(1967 mm 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा श्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राथ होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है, ''बिधि बिरुद्ध कियाकलांग (नियारण) अधिकरण'' का गठन करती है, जिसमें गौहाटी उच्चे न्यायानाय के न्यायाधीश श्री न्यायम् ति एतः इबोतस्त्री सिंह होग ।

िता. ए. III-14014/12/79 एन . ई. (I)]

कं. बैनजीं, संयक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 1979

S.O. 444(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice N. Ibotombi Singh, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. III-14014/12/79-NE(I)] K. BANARJI, Jt. Secy.